1 फूल और काँटे

हैं जनम लेते जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
रात में उनपर चमकता चाँद भी,
एक ही सी चाँदनी है डालता।

मेह उनपर है बरसता एक-सा,
एक सी उनपर हवाएँ हैं बहीं।
पर सदा ही यह दिखाता है समय,
ढंग उनके एक से होते नहीं।

छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर **वसन**।
और प्यारी तितलियों का **पर** कतर,
भौंर का है वेध देता **श्याम** तन।

फूल लेकर तितलियों को गोद में,
भौंर को अपना अनूठा रस पिला।
निज सुगंध औ' निराले रंग से,
है सदा देता कली जी की खिला।

खटकता है एक सबकी आँख में,
दूसरा है सोहता सुर सीस पर।
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।

—अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

मेह (rain) = वर्षा **वसन** (cloth)
पर (feather) = पंख **श्याम** (bla

CLASS- V

Date 27/5/2020

आनंदी हिन्दी पाठ्यपुस्तक

CH → फूल और काँटे

(क) सही विकल्प चुनिए —

(1) चाँदनी कौन बिखेरता है ?
(क) चाँद ☑ (ख) तारा ☐ (ग) सूरज ☐

(2) भौंरे का रंग होता है —
(क) चटकीला ☐ (ख) सफेद ☐ (ग) काला ☑

(3) सुगंध होती है —
(क) जड़ों में ☐ (ख) फूलों में ☑ (ग) काँटों में ☐

(ख) इन पंक्तियों में कुछ गलत शब्द आ गए हैं। उन्हें रेखांकित कीजिए —

(1) भेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का कर वसन ।

(2) अटकता है एक सबकी आँख में,
दूसरा है सोहता सुर सीस पर ।

(ग) सही उत्तर दीजिए (मौखिक) —

(1) फूल कोमल होता है या काँटा ?

Ans) फूल कोमल होता है ।

(2) तितलियाँ और भौंरे किसके पास जाते हैं — फूल के पास या काँटों के पास ?

Ans) तितलियाँ और भौंरे फूल के पास जाते हैं ।

(घ) इन प्रश्नों के लिखित उत्तर दीजिए —

(1) चाँद कब चमकता है ?

Ans) चाँद रात में फूलों पर चमकता है ।

(2) किनके स्वभाव एक जैसे नहीं होते ?

Ans) समय यह दिखाता है कि फूल और काँटे का स्वभाव एक से नहीं होते ।

(3) काँटों के स्वभाव के बारे में कवि ने क्या वर्णन किया है ?

Ans) काँटे हर उँगलियों को भेदकर खून निकाल देता है। कपड़े तक को फाड़ डालता है। खूबसूरत तितलियों के पंख कतर देता है। भौंरे भी इन काँटों पर नहीं बैठ सकते ।

(4) फूलों के स्वभाव के बारे में कवि ने क्या बताया है ?

Ans) फूलों के ऊपर तितलियाँ आराम से मंडराती हैं। भौंरों को फूल अपना रस पीने देती हैं। फूल हमेशा सुगंध से सबको महकाता है और उनके रंग भी बहुत खूबसूरत होती हैं ।

(5) हमारा मन किसकी सुगंध से खिल उठता है ?

Ans) हमारा मन रंग-बिरंगे फूलों की सुगंध से खिल उठता है ।